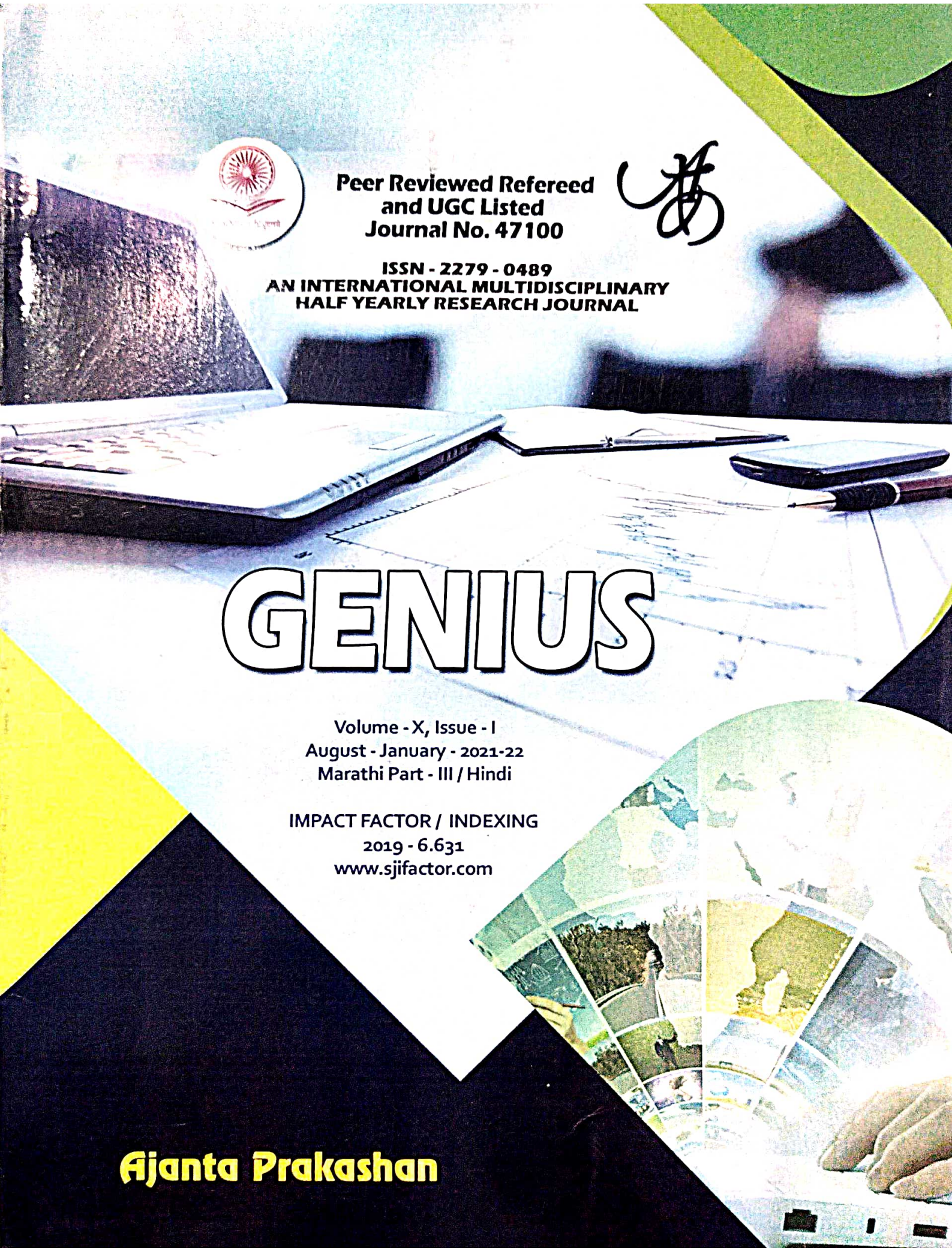

Peer Reviewed Refereed
and UGC Listed
Journal No. 47100

ISSN - 2279 - 0489
AN INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY
HALF YEARLY RESEARCH JOURNAL

GENIUS

Volume - X, Issue - I
August - January - 2021-22
Marathi Part - III / Hindi

IMPACT FACTOR / INDEXING
2019 - 6.631
www.sjifactor.com

Ajanta Prakashan

ISSN - 2279 - 0489

AN INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY
HALF YEARLY RESEARCH JOURNAL

GENIUS

Volume - X Issue - I August - January - 2021-22

MARATHI PART - III / HINDI

Peer Reviewed Refereed and
UGC Listed Journal No. 47100

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

IMPACT FACTOR / INDEXING
2019 - 6.631
www.sjifactor.com

❖ EDITOR ❖
Asst. Prof. Vinay Shankarrao Hatole
M.Sc (Maths), M.B.A. (Mktg.), M.B.A. (H.R.),
M.Drama (Acting), M.Drama (Prod. & Dir.), M.Ed.

❖ PUBLISHED BY ❖

Ajanta Prakashan
Aurangabad. (M.S.)

The information and views expressed and the research content published in this journal, the sole responsibility lies entirely with the author(s) and does not reflect the official opinion of th Editorial Board, Advisory Committee and the Editor in Chief of the Journal **"GENIUS"**.

Owner, printer & publisher Vinay S. Hatole has printed this journal at Ajanta Computer and Printers, Jaisingpura, University Gate, Aurangabad, also Published the same at Aurangabad.

Printed by
Ajanta Computer, Near University Gate, Jaisingpura, Aurangabad. (M.S.)

Printed by
Ajanta Computer, Near University Gate, Jaisingpura, Aurangabad. (M.S.)

Cell No. : 9579260877, 9822620877 Ph. No. : (0240) 2400877
E-mail : ajanta5050@gmail.com, www.ajantaprakashan.com

GENIUS - ISSN 2279 - 0489 - Impact Factor - 6.631 (www.sjifactor.com)

CONTENTS OF HINDI

अ.क्र.	लेख और लेखक के नाम	पृष्ठ क्र.
१	लॉकडाऊन का शिक्षा पर असर **डॉ. सविता वै. रुक्के**	१-२
२	कोविड-१९ महामारी के पश्चात ऑनलाइन शिक्षा की मांग में बढोतरी की संभावनाएं एवं चुनौतियां **डॉ. अशोक अभिषेक**	३-६
३	कोरोना वायरस के खिलाफ एक कलात्मक लड़ाई **Rakesh Kumar Chaudhary**	७-१०
४	मनुष्य के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर कोरोना महामारी का प्रभाव **Dr. Supriya Sanju**	११-१६

VOLUME - X, ISSUE - I - AUGUST - JANUARY - 2021-22
GENIUS - ISSN - 2279 - 0489 - IMPACT FACTOR - 6.631 (www.sjifactor.com)

१. लॉकडाऊन का शिक्षा पर असर

डॉ. सविता वै. रुक्के
हिन्दी विभाग प्रमुख, मातोश्री शांताबाई गोटे कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, वाशिम.

आज वैश्विक महामारी कोरोना

१९ का प्रभाव देखने को मिलता है. पुरा विश्व इसकी चपेट में आ गया है. समाज की अर्थ व्यवस्था पर सबसे ज्यादा असर दिखाई देता है. साथ में कोरोना महामारी का प्रभाव हमारी शिक्षा प्रणाली पर हुआ है. आज स्कुल, कॉलेज और कोचिंग क्लास पूरी तरह बंद किये गये है. ऑन लाईन क्लास द्वारा विध्यार्थियो को पढाया जा रहा है. जीससे उनका नुकसान ना हो. इस शिक्षा का असर विधार्थीयो पर कितना होगा यह तो आनेवाला समय ही बतायेगा.

संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संघटन (उनेस्को) ने एक रिपोर्ट जारी की है. जिसके अनुसार कोरोना महामारी से भारत में लगभग ३२ करोड छात्रो कि शिक्षा प्रभावित हुई है. जिसमे १५.८१ करोड लाडकियां और १६.२५ करोड लडके शामिल है. विश्व में इस महामारी से १९३ देशो के १५७ करोड छात्रो कि शिक्षा प्रभावित हुई है, जो विभिन्न स्तरो पर दाखिला लेने वालो छात्रो का ९१.३ प्रतिशत है. शिक्षा पर इस बडे असर के कारण अनेक बदलाओ और चुनौतीयो के बारे में पता चल रहा है. कोरोना के कारण हमारी शैक्षणिक प्रणाली पर सबसे ज्यादा असर हो रहा है. कोरोना महामारी और उसके कारण लॉकडाऊन का दौर बितने के बाद स्कुल और कॉलेजो को स्थायी तकनीकी अवसंरचना में निवेश करना होगा. इसमे अध्यापक का प्रशिक्षण डिजिटल वातावरण में काम करने के कौशल पर केंद्रित होगा उच्च शिक्षण संस्थाओ में परीक्षा पारंपारिक पद्धती कि बजाय ऑनलाईन माध्यम से कराई जायेगी.

कोविड – १९ के दौर में उभरने वाले आयामो पर ध्यान देना होगा. डिजिटल माध्यम से अधिक मात्रा में लोग पढाई कर रहे है और कम अवधी वाले पाठ्यक्रम भी अधिक लोकप्रिय हो रहे है. इन बदलावो से कठीनाई तो हो रही है. लेकीन इनमे शिक्षा के क्षेत्र में नये विचारो के उदाहरण भी सामने आ रहे है. कोरोना के कारण स्कुल, कॉलेजो में पढाई करने के लिए डिजिटल माध्यम का प्रयोग और अधिक किया जा रहा है. उसके लिए व्हाट्सएप, झुम जैसे एप और ई – मेल का प्रयोग हो रहा है.

ऑनलाईन ही छात्रो को नोट्स असाइन्मेंट आदि उपलब्ध कराया जा रहा है. साथ ही साथ उनके अभिभावक से भी बात कि जा रही है जिससे छात्रो को किसी प्रकार कि कोई असुविधा ना हो. कुछ अन्य सरकारी विश्व विद्यालयो ने भी ऑनलाईन पढाई के लिए जरुरी इंतजाम किए है. फिर भी छोटे शहरो में स्थिती अच्छी नही है. गावो में इंटरनेट, बिजली कि समस्या और गरिबी अभाव इन सबके कारण ऑनलाईन शिक्षा में कुछ हद्द तक बाधाये आ रही है.

कोरोना महामारी के इस दौर में शैक्षणिक संस्थानो के आगे बहुत बडी समस्या है. उसमें ऑनलाईन एक स्वाभाविक माध्यम है. ऐसे विकल्प का चयन करना बहुत जरुरी हो गया है. विधार्थीयो से जुडने के लिए ऑनलाईन क्लास को अपनाना पड रहा है. आज के लिए यह सही विकल्प है. लेकिन भविष्य के लिए अन्यायपूर्ण है. मनुष्य मुल रूप में समाजशील प्राणी है. शिक्षा अपने मुल रूप में सामाजीकरण कि एक प्रक्रिया है. जब जब समाज का स्वरूप बदला शिक्षा के स्वरूप में भी परिवर्तन हुआ है. आज कोरोना संकट के दौर में ऑनलाईन शिक्षा के जरीये शिक्षा में बदलाव का प्रस्ताव नीती निर्धारको के द्वारा किया जा रहा है. यह बदलाव समय कि मांग है. इससे हम बच नही सकते है. पुरानी शिक्षा पद्धती अपनी जगह ठीक थी. कोरोना संकट में शारीरिक दुरी बनाये रख कर शिक्षा के लिए तकनीकी का प्रयोग एक बात है. वैसे भी तकनिकी के विकास के साथ ही शिक्षा में भी उसका उपयोग होता रहा है. यह होना जरुरी भी है. ब्लेकबोर्ड से लेकर स्मार्टबोर्ड तक बदलती तकनीकी का उपयोग क्लासरूम टीचिंग को मजबूत और रुचीकर बनाने के लिए किया जाता है. लायब्रेरी का डिजिटल होना उसी प्रक्रिया का एक रूप है. तकनीकी का उपयोग कर सामाजीकरण कि प्रक्रिया का एक रूप है.

तकनीकी का उपयोग कर सामाजीकरण कि प्रक्रिया को बढाया जा रहा है. भारतीय चिंतन परंपरा के अनुसार शिक्षा के तीन प्रमुख उद्देश है. व्यक्ती एवं चरित्र निर्माण, समाज कल्याण और ज्ञान का उत्तरोत्तर विकास. ऑनलाईन शिक्षा इन लक्ष्यो कि पूर्ती करता है क्या? यह देखना होगा. कोरोना महामारी ने समाज के हर क्षेत्र को प्रभावित किया है. शिक्षा संस्थान आज पूरी तरह से बंद है. वर्ड हेल्थ ऑर्गनायजेशन के अनुसार कोरोना का असर आनेवाले तीन से चार वर्ष तक रहेगा. हमे इसके साथ जिने कि आदत डालनी होगी. 'जब तक दवाई नही तब तक ढिलाई नही' इसके अनुसार जीना होगा. उद्योग पती श्री. रतन टाटा का कहना है कि 'यह वर्ष केवल जीवित रहने का है लाभ या हानी के बारे में सोचना नही है.' पहले हम अपने जीवन को बचायेंगे 'जान है तो जहान है' के अनुसार जीना होगा. कब तक इस महामारी के त्रासदी साथ जीना होगा यह हो आनेवाला समय ही बतायेगा.

संदर्भ सुची

1. https://www.india.com/hindi-news/career-hindi/emphasis-on-online-education-due-to-lockdown-central-universities-launch-new-learning-management-system-4012323/
2. https://www.india.com/hindi-news/career-hindi/digital-education-has-positive-results-in-lockdown-government-is-giving-boost-to-digital-india-program-union-minister-mahendra-nath-pandey-4057300/